


14/6/19

वकील डिडीकार अप०। वकील डिडीकार ने कथन
दिया कि प्रमाण से लभप्रियत डिडी दिनांक 19/2/19
की पालना हो चुकी है अतः प्रमाण के आगे कोई
कार्रवाई नहीं चाहते हैं। अतः वकील डिडीकार के
कथनानुसार डिडी की पालना हो चुकी है पत्रावली
पर आगे कार्रवाई किए जाने का कोई औचित्य नहीं
है अतः पत्रावली पर कार्रवाई इन्ही स्तर पर
निलंबित की जाती है। पत्रावली में अनलक्ष्यता
बतलाए गए से कथ की जाये।

सपक्षपडाधिकारी
लौकपर (राज)

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुये
28-6-19	<p> वकील प्रतिवादी सं. 01 उपर वकील वादी अनुपस्थित वकील वादी व वादी गण को कई बार आवाज दिलवाई गई कई बार यथा दिलवाने के बावजूद वादी व उनके अधिकाधिक उपस्थित ही आए यथा वादावली अध हाजिरी व अध पेशी में पारित किया जाता है, पत्रवाली के लाल मुद्रा तथा दाखिलदस्तावे की नकल से अध है </p> <p style="text-align: right;">  उपखण्डाधिकारी धौलपुर (राज) </p>	

18 06
19

वकील प्रतिवादी उपर। वकील वार्दा अनुपस्थित।
वार्दा स्वयं उनके अभिभाषक को बंद कर आवाज
दिल गई गई परन्तु उनकी ओर से कोई उपस्थित नहीं
हुआ ना ही वार्दा स्वयं या उनके अभिभाषक उपर
दिए। अतः वकील वार्दा उपर व अधिमर्शनी
में खारिज किया जाता है। पत्रावली जैलल सुभा
सकत नारायण के नाम की जावे।

न्यायण्डाधिकारी
(राज)

	<p>वकील प्रतिवादी उपर। वकील वार्दा अनुपस्थित। वार्दा स्वयं उनके अभिभाषक को बंद कर आवाज दिल गई गई परन्तु उनकी ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ ना ही वार्दा स्वयं या उनके अभिभाषक उपर दिए। अतः वकील वार्दा उपर व अधिमर्शनी में खारिज किया जाता है। पत्रावली जैलल सुभा सकत नारायण के नाम की जावे।</p>	अल अदालत
2-5-19	<p>मकाम (फिरम 15)</p>	
Crim - 1	<p>फर्दे अहकाम FORM NO. III</p>	